



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 139]
No. 139]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 13, 1988/आषाढ़ 22, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 13, 1988/ASADHA 22, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
अधिमूल्या

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1988

सं. एक. 4(5) डब्ल्यू एफ़ एम/88.—10.00 प्रतिशत ऋण, 1993, 11.00 प्रतिशत ऋण, 2003 (द्वितीय निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2008 (द्वितीय निर्गम) के लिए 1,200 करोड़ रुपये की कुल राशि के वांछित 20 जुलाई 1988 को वैधित्व समय की समाप्ति तक अभिप्राय सचिवों में स्वीकार किये जायेंगे। परन्तु लिखित अधिनियम, 1981 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 20 जुलाई 1988 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अपने कार्य दिन वैधित्व समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिप्राय स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 1,200 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत या यथासंभव उसके निरुद्ध तक के अभिप्रायों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिप्राय राशि 1320 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अभिप्रायों को प्रावृत्तिक आधार पर तब तक से आंशिक आबंधन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंधन किया जाता है तो आंशिक आबंधन के बाद यथासंभव अधिक अभिप्राय की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटाई गयी राशियों पर कोई ब्याज प्रदा नहीं किया जाएगा।

1845 GI/88

3. र. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 20 जुलाई 1993 को समसूच्य पर प्रतिबंध 10.00 प्रतिशत ऋण, 1993।

(i) वापसी अभिप्रायों की तारीख—ऋण 20 जुलाई 1993 को समसूच्य पर वापस प्रदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक र. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य र. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 20 जुलाई 1988 से वार्षिक 10.00 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 20 जनवरी और 20 जुलाई को ब्याज प्रदा किया जाएगा। इस प्रकार प्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4. र. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 23 मई 2003 को समसूच्य पर प्रतिबंध 11.00 प्रतिशत ऋण, 2003 (द्वितीय निर्गम)।

(i) वापसी अभिप्रायों की तारीख—ऋण 23 मई 2003 को समसूच्य पर वापस प्रदा किया जाएगा।

(1)

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 20 जुलाई 1988 से वार्षिक 11.00 प्रतिशत होगी। 20 जुलाई 1988 से 22 नवम्बर 1988 (सहित) तक की अवधि के लिए 23 नवम्बर 1988 को ब्याज भ्रवा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 23 मई और 23 नवम्बर को ब्याज भ्रवा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रवा किये गये ब्याज पर सीधे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर लगेगा।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 23 मई 2008 को सममूल्य पर प्रतिशेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2008 (दूसरा निर्गम)।

(i) वापसी अवधि की तारीख—ऋण 23 मई 2008 को सममूल्य पर वापस भ्रवा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 20 जुलाई 1988 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 20 जुलाई 1988 से 22 नवम्बर 1988 (सहित) तक की अवधि के लिए 23 नवम्बर, 1988 को ब्याज भ्रवा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 23 मई और 23 नवम्बर को ब्याज भ्रवा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रवा किये गये ब्याज पर सीधे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

6. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णकृत करने के बाद भ्रवा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए पचास पैसे से कम के ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को घाटे रुपये में पूर्णकृत किया जायेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

7. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे:—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई, (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना, और त्रिवेणम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुद्रालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

8. ब्याज भ्रवा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेणम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्य किसी राजकीय या उप-राजकीय में ब्याज भ्रवा किया जाएगा।

9. ब्याज भ्रवा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अवधिगत उक्त ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिनपर कर लागू नहीं है या जिनपर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली स्थूलतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज भ्रवा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज भ्रवा करने के लिए निदेशार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतिमें में घोषणापत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

10. भ्रव जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80B के अन्य उपबन्धों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

11. भ्रव जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

12. प्रतिभूतियों केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

13. ऋणों के लिए आवेदनपत्र-ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु. 1,000 या इसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

14. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि आवेदन का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदन ब्याज की अवधि की अपेक्षा करता है।

15. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि तकवी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम द्वारा किये जाने चाहिए।

16. स्वीकृत बैंकों की उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये ब्रांचों पर तथा बलात्कों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहरपुक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये ब्रांचों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर बलात्की भ्रवा की जायेगी। बैंक-बाणिज्य और सहकारी बैंक-उनके अपने अभिमानों के लिए बलात्की की अवधि के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,

जी. बाबुसुब्रमणियम, विशेष कार्य अधिकारी

बसाल की मुहर और पता

आवेदन का फार्म

मैं/हम*

(पूरा/पूरे नाम)

हमके साथ (.....) के लिए तकदी* प्रस्तुत करता हूँ/

करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें स्टॉक प्रमाणपत्र/मेरे/हमारे* एम.जी.एल. खाते में जमा के रूप में रु. के सांकेतिक मूल्य की 10.00 प्रतिशत अण, 1993*/11.00 प्रतिशत अण 2003 (दूसरा निर्गम)*/11.50 प्रतिशत अण, 2008 (दूसरा निर्गम)* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं।

2. मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज. में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी: इस खाते में आवेदक कुछ न लिखें। प्रविष्टियां आदाता कार्यालय द्वारा की जाएगी।

आवेदन पत्र सं.	आवेदक	दिनांक
"दिलीप नली" मुहर नकदी प्राप्त होने की तारीख चेक बसाल होने की तारीख विशेष बालू खाते में जमा करने की तारीख जांच की गई नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया दस्तावेजी रजिस्टर में दर्ज किया गया मोह पत्र स. प्रतिभूति स. कांस्टेबल स. वाउचर पारित करने की तारीख		हस्ताक्षर पूरा(पूरे) नाम पता दिनांक --- मुलाई 1988

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

टिप्पणियां. (1) प्रत्येक अण के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगुठे के निगलन के रूप में हो तो वे व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिए जाएं।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक अण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किए गए हों तो संलग्न किए जाएं:-

- (i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिनिधि।
- (ii) कंपनी/निकाय के बहिनियमों और अंतर्नियमों या नियमों और विनियमों/अन-नियमों की प्रमाणित प्रतिभूतियां।
- (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का वेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पक्ष में किए गए संकल्प की प्रमाणित प्रतिनिधि, उसके/उनके विधिवत सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

(4) आवेदकों को, उन्हें जारी किए जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर छमाही ब्याज के दायरे के लिए प्रारंभ फार्म (लोक अण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1988

No. F. 4(5)W&M[88.—Subscriptions for the issues of 10.00 per cent. Loan, 1993, 11.00 per cent. Loan, 2003 (Second Issue) and 11.50 per cent. Loan, 2008 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 1200 crores will be received in the form of cash on the 20th July 1988 upto the close of Banking hours. In the event of 20th July 1988 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscription will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 1200 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid Loans exceed the sum of Rs. 1200 crores partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.00 per cent Loan, 1993 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 20th July 1993.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 20th July 1993.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.00 per cent per annum from 20th July 1988. Interest will be paid half-yearly on the 20th January and 20th July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 11.00 per cent Loan, 2003 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 23rd May 2003.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 23rd May 2003.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent per annum from 20th July 1988. Interest for the period from 20th July, 1988 to 22nd November, 1988 (inclusive) will be paid on 23rd November 1988 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 23rd May and 23rd November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.50 per cent Loan, 2008 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 23rd May 2008.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 23rd May 2008.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 20th July 1988. Interest for the period from 20th July 1988 to 22nd Nov. 1988 (inclusive) will be paid on 23rd November 1988 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 23rd May and 23rd November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. The net amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

7. Applications will be received at :

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

8. Place of Payment of Interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the states of Jammu & Kashmir and Sikkim.

9. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

10. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

11. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous in-

vestments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

12. THE SECURITIES WILL BE ISSUED IN THE FORM OF STOCK ONLY.

13. APPLICATIONS FOR THE LOANS—APPLICATIONS FOR THE LOANS MUST BE FOR RS. 1,000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

16. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By Order of the President,

V. BALASUBRAMANIAN, Officer on Special Duty

BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

FORM OF APPLICATION

I/We
(Full Name(s) in Block Letters)

Cash*

herewith tender Rs. (Rupees)

Cheque for

.....) and request that Securities of 10.00 per cent. Loan, 1993*/11.00 per cent. Loan, 2003 (Second Issue) */11.50 per cent. Loan, 2008 (Second Issue)* of the nominal value of Rs. may be issued to me/us* in the form of *Stock Certificate/credit to my/our* S.G.L. Account.

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage.
The entries will be filled in by the Receiving Office.

	Initials	Date	Signature(s)
Application No			Name(s) in full
			(Block Letters)
N.B. Stamp			
Cash			
Received on			
Cheque			
Realised on			Address
Credited to			
Special Current			
Account on			
Examined			
Cash Applications			
Register posted			
Brokerage			Dated the
Register Posted			of July 1988
Indent No			
Scrip No.			
Card No.			
Voucher			
passed on			

*Delete what is not required.

Notes: (1) Separate application should be made for each loan.

- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—
 - (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate/s issued to them.